

NCERT Solution

पाठ - 07

क्या निराश हुआ जाए

आपके विचार से:

उत्तर1: लेखक ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों का वर्णन करते हुए कहा है कि उसने धोखा भी खाया है परंतु बहुत कम स्थलों पर विश्वासघात नाम की चीज मिलती है। पर उसका मानना है कि अगर वो इन धोखों को याद रखेगा तो उसके लिए विश्वास करना बेहद कष्टकारी होगा और ऐसी घटनाएँ भी बहुत कम नहीं हैं जब लोगों ने अकारण उनकी सहायता की है, निराश मन को ढाँढस दिया है और हिम्मत बँधाई है।

टिकट बाबू द्वारा बचे हुए पैसे लेखक को लौटाना, बस कंडक्टर द्वारा दूसरी बस व बच्चों के लिए दूध लाना आदि ऐसी घटनाएँ हैं। इसलिए उसे विश्वास है कि समाज में मानवता, प्रेम, आपसी सहयोग समाप्त नहीं हो सकते।

उत्तर2: दोषों का पर्दाफाश करना तब बुरा रूप ले सकता है जब हम किसी के आचरण के गलत पक्ष को उद्घाटित कर के उस में रस लेते हैं या जब हमारे ऐसा करने से वे लोग उग्र रूप धारण कर किसी को हानि पहुँचाए।

उत्तर3: इस प्रकार के पर्दा फाश से समाज में व्याप्त बुराईयों से, अपने आस-पास के वातावरण तथा लोगों से अवगत हो जाते हैं और इसके कारण समाज में जागरूकता भी आती है साथ ही समाज समय रहते ही सचेत और सावधान हो जाता है।

कारण बताइए:

- उत्तर1:** 1. "सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। - तानाशाही बढेगी
2. "झूठ और फरेब का रोजगार करनेवाले फल-फूल रहे हैं।" - भ्रष्टाचार बढेगा
3. "हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम।" - अविश्वास बढेगा

सार्थक शीर्षक:

उत्तर1: लेखक ने इस लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' उचित रखा है। आजकल हम अराजकता की जो घटनाएँ अपने आसपास घटते देखते रहते हैं। जिससे हमारे मन में निराशा भर जाती है। लेकिन लेखक हमें उस समय समाज के मानवीय गुणों से भरे लोगों को और उनके कार्यों को याद करने कहा है जिससे हम निराश न हो। इसका अन्य शीर्षक 'हम निराशा से आशा' भी रख सकते हैं।

NCERT Solution

उत्तर2: "आदर्शों की बातें करना तो बहुत आसान है पर उन पर चलना बहुत कठिन है।" - मैं इस कथन से सहमत हूँ क्योंकि व्यक्ति जब आदर्शों की राह पर चलता है तब उसे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। असामाजिक तत्वों का अकेले सामना करना पड़ता है।

भाषा की बात

उत्तर1:

सुख और दुख	सुख-दुख
भूख और प्यास	भूख-प्यास
हँसना और रोना	हँसना-रोना
आते और जाते	आते-जाते
राजा और रानी	राजा-रानी
चाचा और चाची	चाचा-चाची
सच्चा और झूठा	सच्चा-झूठा
पाना और खोना	पाना-खोना
पाप और पुण्य	पाप-पुण्य
स्त्री और पुरुष	स्त्री-पुरुष
राम और सीता	राम-सीता
आना और जाना	आना-जाना

उत्तर2: जातिवाचक संज्ञा: बस, यात्री, मनुष्य, ड्राइवर, कंडक्टर,
हिन्दू, मुस्लिम, आर्य, द्रविड़, पति, पत्नी आदि।

भाववाचक संज्ञा : ईमानदारी, सच्चाई, झूठ, चोर, डकैत आदि।
